समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

भारत ने पहली बार 825 अरब डॉलर का किया एक्सपोर्ट, पीएम मोदी ने एक समिट मे दी बड़ी जानकारी।

Publisher

Published on 07 May 2025

मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स के आंकड़ों के अनुसार, भारत ने 2024-25 मे गूड्स और सेवाओं के निर्यात के मामले मे इंतिहास रच दिया है. वित्त वर्ष 2024-25 मे देश का कुल निर्यात पहली बार 825 अरब डॉलर तक पहुंच गया.

आज दुनिया भारत में निवेश करने को उत्सुक है. बीते एक दशक में रिकॉर्ड एफडीआई भारत में आया है. और साथ ही चोरी की गई कलाकृतियां और दूसरा सामान भी रिकॉर्ड संख्या में भारत आ रहा है. आज भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा फूड निर्माता है और साथ ही हम मिलेट्स जैसे सुपर फूड के उत्पादन में भी सबसे आगे हैं.

सूर्य मंदिर वाले भारत ने सोलर एनर्जी के प्रोडक्शन में भी 100 गीगावॉट कि कैपिसिटी हासिल कर ली है. इसके अलावा पीएम मोदी ने भारत के एक्सपोर्ट पर बात करते हुए एक समिट में बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का कुल निर्यात पहली बार 825 अरब डॉलर तक पहुंच गया है.

क्या कहते हैं एक्सपोर्ट के आंकड़े ?
मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स के ताजा आंकड़ों के अनुसार, भारत ने 2024-25 में माल (गूड्स) और सेवाओं के निर्यात के मामले में इतिहास रच दिया है. वित्त वर्ष 2024-25 में देश का कुल निर्यात पहली बार 825 अरब डॉलर तक पहुंच गया. इसमें सबसे बड़ी भूमिका सेवाओं (सर्विसेज) के निर्यात की रही, जो 386.5 अरब डॉलर के आंकड़े तक पहुंच गया. यानी पिछले साल के मुकाबले 13.6 फीसदी की बढ़ोतरी.

मार्च 2025 में अकेले सेवाओं का निर्यात 18.6 फीसदी बढ़कर 35.6 अरब डॉलर हो गया, जबकि मार्च 2024 में ये 30 अरब डॉलर था. इससे पहले 2023-24 में कुल निर्यात 778.13 अरब डॉलर रहा था, यानी इस साल कुल मिलाकर 6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है.

इस बढ़त में सबसे अहम योगदान जिन सेक्टर्स का रहा, उनमें शामिल हैं, टेलीकॉम, कंप्यूटर और आईटी सेवाएं. इसके अलावा, ट्रांसपोर्ट, ट्रैवल सेक्टर और फाइनेंशियल सर्विसेज ने भी इसमें अहम योगदान दिया.

पीएम मोदी ने डिजिटल इंडिया का भी किया जिक्र
पीएम नरेंद्र मोदी ने डिजिटल इंडिया का जिक्र करते हुए एक समिट में कहा, 'प्रगति के लिए अपने संस्कृति को छोड़ने की जरूरत नहीं है. आज Digital India हमारे जीवन का हिस्सा हो गया है. डिजिटल इंडिया ने एक नया संसार बना दिया है. बीते 3 सालों में भारत के कंटेंट क्रिएटर्स को 21 हजार करोड़ का पेमेंट मिला.

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.